Post updated - Roll of Psychological factors in Population explosion.

(B.A 3rd Psychology. Hons, Paper - 5th

Prepared By

Dr Gurdeep Kaur Athwal

Assit Prof.

Dept of Psychology

B.N. College, T.M.B.U Bhagalpur

Email: gurdeepathwal18@gmail.com

Q. जनसंख्या विस्फोट के मनोवैज्ञानिक कारणों का वर्णन करें तथा इसे नियंत्रित करने का उपाय सुझावें।

Ans. भारत में एक प्रमुख सामाजिक समस्या जनसंख्या विस्फोट की है। जनसंख्या विस्फोट का सामान्य अर्थ देश की संसाधनों की तुलना में जनसंख्या या व्यक्तियों की संख्या में बेतहासा वृद्धि से होती है। भारत की जनसंख्या आज विश्व की जनसंख्या की 17.04% है। चीन के बाद भारत की दूसरा सबसे बड़ा देश है। यदि जनसंख्या में वृद्धि की वर्तमान दर कायम रहे तो 2026 तक भारत चीन को पीछे छोड़ संसार का सबसे अधिक संख्या वाला राष्ट्र बन जाएगा।

जनसंख्या विस्फोट के मनोवैज्ञानिक कारकों को रखा गया है जो व्यक्ति के विश्वास मनोवृद्धि, मत, धारणा, आदि से संबंधित होते है। जनसंख्या विस्फोट के मनोवैज्ञानिक कारक निम्नांकित है।

1. परिवार नियोजन के प्रति मनोवैज्ञानिक धारणाएँ :-

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए परिवार नियोजन के विभिन्न तरह के साधनों के उपयोग पर बल डाला गया है जिसके परिवार नियोजन को अप्रकृतिक समझा जाता है। जिसके माध्यमों के बारे में बात चीत

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

ना भी अव्यवहारिक माना जाता है। N.K. Sinha & Anshari ने कॉलेज छात्रो नौकरी करने वाले व्यक्तियों की मनोवृत्ति परिवार नियोजन के प्रति अनुकूल पाया। उच्च एवं निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के लोगो में परिवार नियोजन के अनुकूल मनोवृत्ति होती है। परन्तु हरिजन जनजातियों पर किये गए अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि इन लोगो की धारणाएँ परिवार नियोजन के प्रति प्रतिकूल होती है। मुस्लिम समुदाय के परिवार नियोजन के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति का कारण धार्मिक कट्टरता, ज्ञान की कमी, अपने पतियों से डर आदि मुख्य कारण शामिल होते हैं। अतः जनसंख्या विस्फोट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

2. मनोरंजन के साधन का अभाव :-

आज के युग में रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा, नाटक आदि मनोरंजन के मुख्य साधन के रूप में उभर कर लोगो के सामने आये है। परन्तु ग्रामीण क्षेत्रो में रहने वाले स्त्री-पुरुष मनोरंजन से लगभग वंचित रह जाते है। परिणामतः यौन व्यवहार को ही वे अपना मनोरंजन के साधन बना लेते है। जिसका स्वभाविक प्रभाव जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

3. शिक्षा का अभाव :-

आज भी भारत संपूर्ण जनसंख्या का बड़ा हिस्सा अशिक्षित है। अशिक्षित होने से व्यक्तियों की संज्ञानात्मक क्षमता अविकसित रह जाती है। परिणामतः ऐसे व्यक्ति का परिवार बड़ा होने के परिणाम को न तो ठीक ढंग से सोच पाते हैं और न ही समझ पाते है। इसका स्वभाविक परिणाम यह होता है कि उनका योगदान जनसंख्या वृद्धि में बिना किसी तरह के रोक-टोक के बढ़ता जाता है ~~[illegible]~~ Sadasiva Sada shiva द्वारा इस क्षेत्र में किए गए अध्ययन पर यह बतलाया कि यदि महिलाओं की शिक्षा स्तर एवं पद स्थिति उंची होती है तो उनका पारिवारिक आकार छोटा होता है।

4. सुरक्षा भाव की कमी :-

सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा का समुचित प्रबंध न होने के कारण लोग बच्चों को बुढ़ापे की लाठी मानते हैं और अधिक से अधिक संतानो की उत्पत्ति आवश्यक मानते है। कुछ अध्ययनो में यह देखा गया है कि इस ढंग का विश्वास समाज के कमजोर एवं असामाजिक वर्ग के व्यक्तियो में अधिक होता है।

5. स्त्रियो में आश्रितो का अभाव :-

भारत में पहले की तुलना में स्त्री शिक्षा में वृद्धि होने के बावजूद भी अधिकांश स्त्रियाँ पुरुषो पर आश्रित होते है। अतः पुरुषो की अपेक्षा उनके लिए विवाह करना अनिवार्य हो जाता है जो जनसंख्या वृद्धि का महत्वपूर्ण कारण है।

6. अविवेकपूर्ण मातृत्व :-

भारत में उंची जन्मदर का कारण स्वयं उंची मृत्युदर है।

ऊची मृत्युदर होने के कारण भारतीय माताओं को यह विश्वास नहीं रहता है कि उनके सभी बच्चे जीवित रहेंगे। इसलिए वे अधिक बच्चों को जन्म देने में ही विश्वास करती है। यदि हम दो बच्चों की संख्या को आदर्श मान लेते हैं तो इससे अधिक होने वाले सभी जन्मों को अविवेकपूर्ण माहत्व कहा जायगा।

5. धार्मिक एवं सामाजिक अंधविश्वास :-

साधारण भारतीय बच्चों को ईश्वर का देन मानता है और उनके वह किसी प्रकार का हस्तक्षेप ठीक नहीं मानता है

जनसंख्या को नियंत्रित करने के उपाय

जनसंख्या में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती है/फलतः इसे नियंत्रित करना आवश्यक है। समाज मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस संबंध में महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक ढंग से इसके नियंत्रण का उपाय बताया है।

1. गर्भ निरोधकों के प्रति अनुकूल मनोवृत्ति उत्पन्न करना :-

जन्म नियंत्रण का एक सबसे लोकप्रिय गर्भनिरोधकों का उपयोग है। यद्यपि यह सही है कि नये सस्ते उपयोग में आसान गर्भ-निरोधकों की तलाश को अभी विशेष सफलता प्राप्त नहीं हुई है। अतः मनोवैज्ञानिकों को अपने स्तर से यह प्रयास जारी रखना चाहिए कि सभी लोगों में उन गर्भनिरोधकों के प्रति अनुकूल मनोवृत्ति उत्पन्न करें ताकि जन्म नियंत्रण काबू किया जा सके।

2. प्रोत्साहन देना :-

यदि माता-पिता एक आदर्श परिवार (हम दो हमारे दो) के मॉडल को अपनाते हैं तो मनोवैज्ञानिकों की राय है कि इन्हें इसके लिए कुछ प्रोत्साहन जैसे :- नगद पुरस्कार, पदोन्नति, विशेष भत्ते, शिक्षा भत्ता, आवास के लिए मकान वाहन खरीदने के लिए कम ब्याज कर देना चाहिए। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति को आत्मसंतुष्टि भी होता है साथ ही जन्म नियंत्रण को कम किया जा सकता है।

3. शिक्षा के स्तर को ऊंचा रखना :-

शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाकर व्यक्तियों का संज्ञानात्मक एवं मानसिक विकास कराया जा सकता है। उनकी मनोवृत्ति जन्म नियंत्रण के प्रति अनुकूल की जा सकती है। अधिकांशतः यह देखा गया है कि कम पढ़े लिखे व्यक्तियों में जन्म नियंत्रण के प्रति किसी तरह का सुझाव पसंद नहीं करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मत है कि शिक्षा व्यक्ति को किसी समस्या के पक्ष तथा विपक्ष में तार्किक ढंग से सोचने की क्षमता प्रदान करती है। यही कारण है कि एक शिक्षित पुरुष या शिक्षित महिला का जन्म नियंत्रण के प्रति सकारात्मक रूप होता है

4. बड़े परिवार के अवगुणों से अवगत कराना :-

मनोवैज्ञानिकों का एक सुझाव

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

है कि जन्म नियंत्रण को सकारात्मक रूप दिया जा सकता है जब आम जनता को परिवार की समस्याओं से अवगत हो। L.P. Verma 1999 के कुछ अध्ययनों के बाद यह बताया है कि जब लोगों को परिवार की समस्याओं का ज्ञान हो जाता है तो उनमें जन्म नियंत्रण के प्रति एक सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है जो उन्हें अपने परिवार को छोटा रखने के लिए प्रेरित करता है।

5. परिवार नियोजन कार्यक्रमों को पुनः संरचित करना :-

कुछ लोगों ने जन्म नियंत्रण प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम का तरह-तरह सुझाव दिया है। K.S.Rao 1976 ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को लागू करने के लिए तरह-तरह के उपायों का वर्णन किया है। जिनमें अधिक एजेंसियों जैसे मेडिकल तथा परा-मेडिकल तथा ग्राम पंचायत का उपयोग को सम्मिलत करना प्रमुख माना है। K.S. Agarwall ने जन्म नियंत्रण को मजबूत करने के लिए सभी धार्मिक समुदायों ने विवाह के लिए एक रूप कानूनी सहायता बनाने पर बल डाला है।

निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के इन उपायों द्वारा जनसंख्या विस्फोट को काफी हद तक कम किया जा सकता है।